



छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम रायपुर (छ.ग.)

(छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग का उपक्रम)



वार्षिक प्रतिवेदन
वर्ष 2011-12

पुराना डी.आर.डी.ए. भवन कलेक्टोरेट परिसर,
रायपुर (छ.ग.)



छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम रायपुर (छ.ग.)

(छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग का उपक्रम)



वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष 2011-12

पुराना डी.आर.डी.ए. भवन कलेक्टोरेट परिसर,
रायपुर (छ.ग.)

अनुक्रमणिका

क्र	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1.	निगमन का प्रमाण पत्र	01
2.	कारोबार प्रारम्भ करने के लिए प्रमाण पत्र	02
3.	निगम की योजनाएं	3—5
4.	निगम की पद संरचना	06
5.	वार्षिक प्रतिवेदन	7—9
6.	महालेखाकार की टिप्पणी	10—14



प्राकृत्य आई. आर.
FORM I.R.

निगमन का प्रमाण पत्र
Certificate of Incorporation

No. U 85320 CT 2004 NPL 16765

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि छत्तीसगढ़ निःशक्त जन वित्त

आवाम विकास निगम
कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित की गई है और कम्पनी
परिसीमित है।

I hereby certify that CHHATTISGARH NISHAKAT JAN VITT AVAM
VIKAS NIGAM

is this day incorporated under the Companies Act, 1956
(No. 1 of 1956) and that the Company is limited by shares.

मेरे हस्ताक्षर से आज तारीख अठ्ठाईस अगस्त शक उन्नीस सौ छब्बीस
को दिया गया।

Given under my hand at GWALIOR this NINETEENTH
day of JULY Two Thousand FOUR



Raj Singh
(DR. RAJ SINGH)
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
Registrar of Companies
Madhya Pradesh & Chhattisgarh
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़



सत्यमेव जयते

कारबार प्रारम्भ करने के लिए प्रमाण-पत्र

Certificate for Commencement of Business

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 149 (3) के अनुसरण में

Pursuant of Section 149 (3) of the Companies Act. 1956

ता... का सं.....

No. 10-16765 of 2004

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि कुत्तीसगढ़ निःशक्त-जन वित्त एवम्

विकास निगम

जो कम्पनी अधिनियम 1956 के अधीन तारीख 19.7.2004 को निगमित की गई थी और जिसने आज विहित प्रारूप में सम्यक् रूप से सत्यापित घोषणा फाइल कर दी है कि उक्त अधिनियम की धारा 149 (1) (क) से लेकर (घ) तक/149 (2) (क) से लेकर (ग) तक की शर्तों का अनुपालन किया गया है, कारबार प्रारम्भ करने की हकदार है।

I hereby certify that the CHHATTISGARH NISHAKAT-JAN VITT AVAM
VIKAS NIGAM.

which was incorporated under the Companies Act, 1956 on the 19th day of JULY, 2004. and which has this day filed a duly verified declaration in this prescribed form that the conditions of section 149 (1) (a) to (d)/149 (2) (a) to (c) of the said Act, have been complied with is entitled to commence business.

मेरे हस्ताक्षर से यह तारीख 21-6-2005 को ग्वालियर में दिया गया।
GWALIOR

Give under my hand at this TWENTY FIRST day of JUNE and TWO THOUSAND FIVE.



(DR. RAU SINGH)

कम्पनियों का रजिस्ट्रार

Registrar of Companies

छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम

छत्तीसगढ़ राज्य में शासन द्वारा रुपये 5 करोड़ की अंशपूजी से कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 25 के अन्तर्गत लाभ न कमाने वाली कम्पनी के रूप में दिनांक 20 मई 2004 को स्थापित की गई है। यह पूर्णतः छत्तीसगढ़ शासन के स्वामित्व में है। कम्पनी के प्रबंधन छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नामित निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है। इसे समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत स्थापित किया गया है। छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम को नेशनल हेन्डीकेप्ड फायनेंस एण्ड डेवलपमेंट कार्पोरेशन की चैनेलाईजिंग एजेन्सी दिनांक 06.09.2004 को घोषित किया गया हैं राज्य में दिव्यांगजनों को नेशनल हेन्डीकेप्ड फायनेंस एण्ड कार्पोरेशन के शर्तों के अधीन ऋण स्वीकृत किया जा रहा है।

- दिव्यांगजनों के लाभ हेतु आर्थिक विकास के क्रियाकलापों एवं स्वरोजगार उद्यमों को बढ़ावा देना।
- दिव्यांगजनों को स्वरोजगार उद्यमों के उचित एवं दक्ष प्रबंधन के लिए उनके उद्यमी कौशल को उन्नत करने के लिए ऋण देना।
- दिव्यांगजनों को व्यावसायिक पुनर्वास/स्वरोजगार के योग्य बनाने वाली व्यावसायिक/तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए ऋण देना।
- स्वरोजगार में लगे दिव्यांगजनों को उनके द्वारा तैयार माल के विपणन के लिए सहयोग प्रदान करना।

निगम की योजनाएं :-

निगम द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों को आय प्रदान करने वाली व्यापक गतिविधियों में सहायता दी जाती है, जो इस प्रकार है :-

- **सेवा/व्यापार क्षेत्र में लघु व्यवसाय लगाने के लिए :-**
बिक्री व्यापार क्रियाकलापों के लिए 5 लाख रुपए तक एवं सेवा क्षेत्र के क्रियाकलापों के लिए 10 लाख रुपए तक ऋण दिया जाता है।
- **कृषि क्रियाकलापों के लिए :-**
10 लाख रुपए तक ऋण दिव्यांग व्यक्तियों को कृषि उत्पादन, सिंचाई, बागवानी, रेशम उत्पादन, कृषि कार्य सेवा, कृषि उत्पादन के विपणन आदि के लिए कृषि मशीनरी/उपकरण की खरीद के लिए ऋण सहायता दी जाती है।
- **वाहन क्रय करने के लिए :-**
10 लाख रुपए तक ऋण वाणिज्यिक किराये पर देने के उद्देश्य से ऑटो रिक्शा सहित किसी भी वाहन खरीद पर।
- **मानसिक मंदता, मस्तिष्क पक्षाघात तथा विचार भ्रम से ग्रस्त व्यक्तियों के स्वरोजगार के लिए — 10 लाख रुपए तक ऋण।**
मानसिक मंद, मस्तिष्क पक्षाघात तथा विचारभ्रम से ग्रस्त व्यक्तियों की तरफ से उनके माता-पिता, पति/पत्नी अथवा उनके कानूनी अभिभावक वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

- **निपुणता एवं उद्यमी विकास कार्यक्रम के लिए :—**
व्यक्तियों को कुशल बनाने और उद्यमी विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए चैनेलाईजिंग एजेंसियों को अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है।
- **लघु आद्यौगिक इकाई स्थापित करने के लिए :—**
25 लाख रुपये तक ऋण दिव्यांगजनों को निर्माण, बढ़ई एवं उत्पादन के लिए सहायता दी जाती है।
- **सूक्ष्म वित्तीय योजना :—**
5 लाख रुपये तक का ऋण अशासकीय संस्था को 25,000 /— रुपये तक प्रति निःशक्त व्यक्ति हेतु दिया जाता है।
- **शिक्षा/प्रशिक्षण हेतु ऋण :—**
इस निगम द्वारा 10 लाख रुपये तक भारत में शिक्षा हेतु एवं 20 लाख रुपये तक विदेश में शिक्षा हेतु ऋण दिया जाता है! ऋण का भुगतान प्रशिक्षण समाप्त होने के 6 माह अथवा नौकरी मिलने पर जो भी पहले होगा।
- **मानसिक मंद दिव्यांगजनों के माता—पिता द्वारा संचालित एसोसिएशन हेतु :—**
उक्त योजना अन्तर्गत 5 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है।

पात्रता :—

1. 40 प्रतिशत या अधिक निःशक्त हो।
2. आयु 18 से 60 वर्ष के बीच हो।

वार्षिक आय :—

1. शहरी क्षेत्र में 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष से कम हो।
2. ग्रामीण क्षेत्र में 3 लाख रुपये प्रतिवर्ष से कम हो।
3. संबंधित शैक्षिक/तकनीकी/व्यवसायिक योग्यता और अनुभव।

ब्याज दर :—

1. 50 हजार रुपये तक — 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष
2. 50 हजार रुपये से अधिक और 5 लाख रुपये तक — 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष
3. 5 लाख रुपये से अधिक (शिक्षा/प्रशिक्षण हेतु ऋण) — 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष
4. सभी ऋण 10 वर्ष के भीतर जमा किए जाएंगे।
5. दिव्यांग महिलाओं के लिए 1 प्रतिशत प्रतिवर्ष की ब्याज पर छूट।
6. दृष्टि बाधित/श्रवण बाधित/मानसिक मंद दिव्यांग हितग्राहियों को 0.5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट।

--000--

छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम रायपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2011 - 12 में दिव्यांगजनों को स्वीकृत ऋण प्रकरणों की जिलावार स्वीकृत प्रकरणों की संख्या एवं स्वीकृत राशि

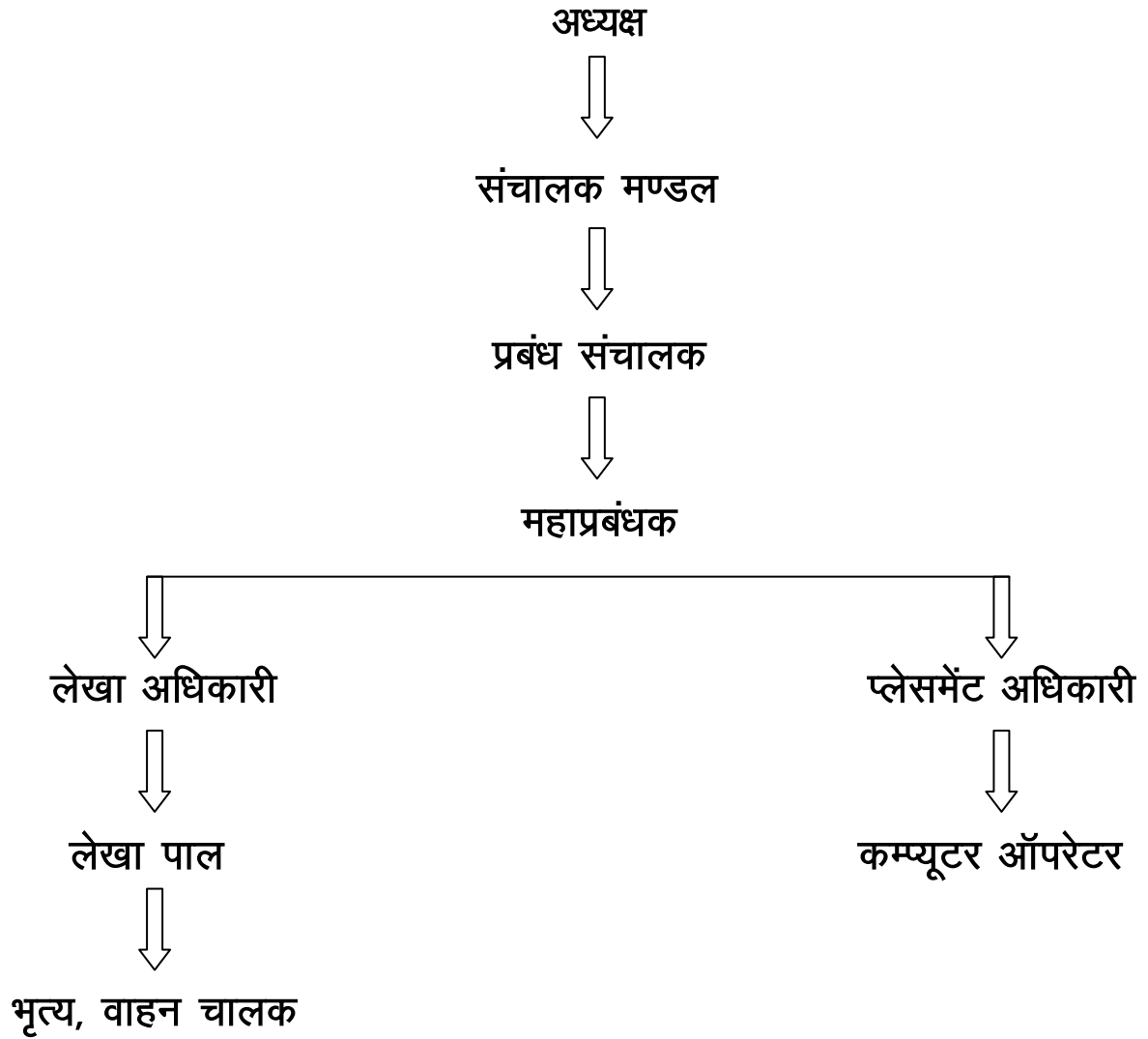
क्र.	जिला	वर्ष 2011-12	
		प्रकरण	राशि (लाख में)
1	रायपुर	14	24.21
2	महासमुंद	7	21.81
3	धमतरी	3	6.35
4	दुर्ग	20	48.01
5	राजनांदगांव	12	35.24
6	कबीरधाम	21	55.13
7	दंतेवाड़ा	1	4.50
8	बिलासपुर	7	24.21
9	जांजगीर	2	9.50
10	रायगढ़	17	73.10
11	जशपुर	2	10.00
12	सरगुजा	3	4.05
13	कोरिया	13	50.47
14	नारायणपुर	1	5.76
	योग	123	372.34

वसूली की स्थिति 2004-05 से 2011-12 तक

2004-05 से 2011-12 तक	कुल हितग्राही	वितरित ऋण राशि (लाख में)	कुल वसूली की गई राशि (लाख में)	वसूली हेतु शेष राशि (लाख में)
	816	1047.48	486.91	778.68

छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम

निगम की पद संरचना



**CHHATTISGARH NISHAKT-JAN
VITT AVAM VIKAS NIGAM**

ANNUAL REPORT

2011 - 12

CHHATISGARH NISHAKTJAN VITT AVAM VIKAS NIGAM : RAIPUR (C.G)

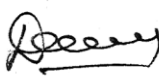
Balance Sheet as at 31 March, 2012

Particulars		Note No.	As at 31 March, 2012	As at 31 March, 2011
A	EQUITY AND LIABILITIES			
1	Shareholders' funds			
	(a) Share capital	2	50000000	50000000
	(b) Reserves and surplus	3	71590522	58894285
2	Non-current liabilities			
	(a) Long-term borrowings	4	103038264	75072533
3	Current liabilities			
	(a) Other current liabilities	5	21307054	6957354
	(b) Short-term provisions	6	146439	155739
			246082279	191079911
B	ASSETS			
1	Non-current assets			
	(a) Fixed assets			
	(i) Tangible assets	7	1409652	422206
	(b) Long-term loans and advances	8	91156546	59819264
	(c) Other non current Assets	9	107542287	99548050
2	Current assets			
	(a) Cash and cash equivalents	10	45055143	30834330
	(b) Other Current Assets	11	918651	456061
			246082279	191079911
	See accompanying notes forming part of the financial statements	1		

For & On Behalf Of Board Of Directors

As Per Our Report Of Even Date Attached


MANAGING DIRECTOR


CHAIRMAN
PLACE : RAIPUR (C.G.)
DATED :

FOR, JOGLEKAR MAITRA & CO.,
CHARTERED ACCOUNTANTS
Ern No. 007747C



(K. MISHRA)
PARTNER

M.NO.403735

PLACE: RAIPUR (C.G)

DATED : 7 JUL 2014

CHHATISGARH NISHAKTJAN VITT AVAM VIKAS NIGAM : RAIPUR (C.G.)
STATEMENT OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE YEAR ENDED 31 March, 2012

Particulars		Note No.	For the year ended 31 March, 2012	For the year ended 31 March, 2011
			₹	₹
A	CONTINUING OPERATIONS			
1	Revenue from operations (net)	12	9962338	4735486
2	Other income	13	10098407	8208058
3	Total revenue (1+2)		20060745	12943544
4	Expenses			
	(a) Employee benefit expenses	14	724695	578851
	(b) Finance cost	15	4994696	3380482
	(c) Depreciation and amortisation expense		99089	122389
	(d) Selling and Administration expenses	16	1546029	1237919
	Total expenses		7364509	5319641
5	Profit / (Loss) before exceptional and extraordinary items and tax (3 - 4)		12696236	7623903
6	Exceptional items		0	0
7	Profit / (Loss) before extraordinary items and tax		12696236	7623903
8	Extraordinary items		0	0
9	Profit / (Loss) before tax (7 + 8)		12696236	7623903
10	Tax expense:			
	(a) Current tax expense for current year			
	(b) Deferred tax			
			12696236	7623903
11	Profit / (Loss) for the year (9 + 10)		0	0
12	Earnings per share (of ₹ 100 each):			
	(a) Basic		25.39	15.25
	(b) Diluted		25.39	15.25
	See accompanying notes forming part of the financial statements	1		

FOR & ON BEHALF BOARD OF DIRECTORS

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE ATTACHED

MANAGING DIRECTOR

CHAIRMAN
PLACE : RAIPUR (C.G.)
DATED :



FOR, JOGLEKAR MAITRA & CO.,
CHARTERED ACCOUNTANTS
FRN No. 007747C

(K. K. MISHRA)

PARTNER

M.NO.403735

PLACE:RAIPUR (C.G.)

DATED :

7 JUL 2014



No. CAW/S-2/A/cs-9/CNJVAN/ 2011-12/R-407/D-603

भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) छत्तीसगढ़, रायपुर

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of Accountant General (Audit), Chhattisgarh, Raipur.

दिनांक :

Date : 19/11/2015

To,

The Managing Director,
Chhattisgarh Nishakt Jan Vitt Avam Vikas Nigam,
Old DRDA Building, Collectorate Campus, Raipur 492 001

Sub: Comments of the Comptroller and Auditor General of India under section 619(4) of the Companies Act, 1956 on the accounts of Chhattisgarh Nishakt Jan Vitt Avam Vikas Nigam, for the year ended 31 March 2012.

Sir,

I am to forward herewith the Comments of the Comptroller and Auditor General of India under section 619(4) of the Companies Act, 1956 on the accounts of Chhattisgarh Nishakt Jan Vitt Avam Vikas Nigam, for the year ended 31 March 2012. Six copies of printed annual accounts incorporating the comments of the Comptroller and Auditor General of India may be forwarded to this office after placing the same before the Annual General Meeting along with a copy of the minutes of the AGM.

Encl: As above

Yours faithfully,

Deputy Accountant General
(ES & RS)

पोस्ट - मांदर, जीरो पॉइन्ट, रायपुर - 493 111 (छत्तीसगढ़)

Post - Mandhar, Zero Point, Raipur - 493 111 (Chhattisgarh)

फोन/Phone : 2582082, फैक्स/Fax : 2582505, ईमेल/E-mail : agauchhattisgarh@cag.gov.in

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 619(4) OF THE COMPANIES ACT, 1956 ON THE ACCOUNTS OF CHHATTISGARH NISHAKT JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM, RAIPUR FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2012.

The preparation of Financial Statements of Chhattisgarh Nishakt Jan Vitt Avam Vikas Nigam (CNJVAVN) for the year ended 31 March 2012 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 1956 is the responsibility of the management of the Company.

The Statutory Auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 619(2) of the Companies Act, 1956 are responsible for expressing opinion on these financial statements under Section 227 of the Companies Act, 1956 based on independent audit in accordance with the Auditing and Assurance Standards prescribed by their professional body, viz the Institute of Chartered Accountants of India. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 7 July 2014.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 619(3) (b) of the Companies Act, 1956 of the Financial Statements of Chhattisgarh Nishakt Jan Vitt Avam Vikas Nigam, for the year ended 31 March 2012. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the Statutory Auditors and is limited primarily to inquiries of the Statutory Auditor and Company personnel and a selective examination of some of the accounting records. Based on my supplementary audit, I would like to highlight the following significant matters under Section 619(4) of the Companies Act, 1956 which have come to my attention and which in my view are necessary for enabling a better understanding of the Financial Statements and the related Audit Report.

A. Comments on Profitability

Statement of Income & Expenditure

Expenses – ₹ 73.65 lakh

1. This does not include ₹ 1.13 lakh being expenses towards Employees benefit and Selling & Administration pertaining to the year 2011-12, but paid in 2012-13. This has resulted in understatement of current year expenses and Current Liabilities and Provision as well as Overstatement of Surplus by ₹ 1.13 lakh.

(d) Selling and Administration expenses (Note 16) – ₹ 15.46 lakh

2. This includes ₹ 5.16 lakh towards administration expenses pertaining to the year 2010-11, but paid in 2011-12. This should have been treated as Prior Period Expenses in terms of AS-5. This incorrect accounting treatment has resulted in overstatement of current year's expenditure and understatement of current year's Surplus as well as prior period expenses by ₹ 5.16 lakh.

B. Comments on Financial Position

Balance Sheet

A Equity and Liabilities

2 Non-current liabilities

(a) Long-term borrowings (Note-4)- ₹ 10.30 crore

3. As on March 2012, the Company had received loan of ₹ 10.30 crore from the National Handicapped Finance and Development Corporation (NHFDC) of which loan of ₹ 8.31 crore was secured by the guarantee of Government of Chhattisgarh. However, in the annual accounts all the loan received from NHFDC was shown as unsecured. For true and fair view, of accounts ₹ 8.31 crore should have been shown as secured loan and ₹ 1.99 crore as unsecured loan.

Current Liabilities

(a) Other current liabilities (Note - 5) - ₹ 2.13 crore

4. As per the Lending Policy and Guidelines for funding of National Handicapped Finance and Development Corporation (NHFDC), Faridabad the project cost of NHFDC Scheme is allocated among NHFDC, State Channelising Agency i.e. CNJVVN and promoter in their prescribed sharing ratio. CNJVVN has sanctioned loan amounting to ₹ 375.13 lakh (NHFDC's share ₹ 321.25 lakh,

CNJVVN's share ₹ 18.41 lakh and Promoter's share ₹ 35.47 lakh) to 135 beneficiaries, however, it has not disbursed its share to the beneficiaries. As liability for an amount of ₹ 18.41 lakh had materialized during the year 2011-12, and provision should have been made for the same. Failure of the Company to make provision for this liability has resulted in understatement of Other Current Liabilities and corresponding understatement of Long-term loans and advances by ₹ 18.41 lakh

ASSETS

1 Non-current assets

(b) Long term loans and advances (Note – 8)

Loans to Beneficiaries

(a) **Unsecured, Considered Good** – ₹ 4.80 crore

(b) **Unsecured, Considered Doubtful** – ₹ 4.29 crore

5. The Company does not have any policy of defining prudential norms for the purpose of identifying non-performing assets and creation of provision for bad and doubtful debts. In absence of this, unsecured loans were considered Good and Doubtful without any criteria.

(c) Other Non Current Assets (Note-9) – ₹ 10.75 crore

6. This represents the amount kept in Fixed Deposit (having maturity date after one year) with accrued interest thereon. As per Revised Schedule VI, of the Companies Act, 1956 this should have been shown as 'Bank deposits with more than 12 months maturity' under the head of Cash and cash equivalents in Current Assets instead. This has resulted in overstatement of Non-current assets by ₹ 10.75 crore and understatement of Cash and cash equivalents by same extent.

C. Comments on Disclosure

Notes to the accounts

7. (i) As per section 383 A of the Companies Act, 1956 companies having share capital of rupees five crore or more should mandatorily appoint a whole time company secretary, but no Company Secretary has been appointed till date by the Company. This fact has not been disclosed by the Company by way of Notes to accounts as material fact.

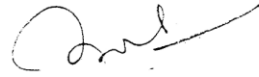
(ii) As per section 292 A of the Companies Act, 1956 every public company having paid up capital of not less than rupees five crores shall constitute a committee of Board known as "Audit Committee". However, the Company, despite having paid up capital of more than rupees five

crore, has not constituted Audit Committee. This fact has not been disclosed by the Company by way of Notes to accounts as material fact.

For and on behalf of
the Comptroller and Auditor General of India

Place: Raipur

Date: 19.11.2015



Accountant General (Audit)

